



- कस्तुनिष्ठ प्रश्न
1. किसी राष्ट्र की सामूहिक पहचान की क्या कहते हैं?  
 (a) निरुंक्षवाद (b) राष्ट्रवाद (c) कठिवाद (d) उदारवाद
  2. वह राज्य जहाँ की राजनीतिक सत्ता उसकी सांस्कृतिक सत्ता से मिलकर बनती है, उसे कहते हैं।  
 (a) कल्पाणकारी राज्य (b) गणराज्य ~~(c) राष्ट्रराज्य~~ (d) राजतंत्र
  3. चार चित्रों की शृंखला किस कलाकार ने बनाई, जिसमें उन्होंने अपने सपनों का संसार रचा?  
 (a) कार्लिस्पर (b) फ्रेड्रिकसॉरेस (c) देलाक्रॉआ (d) विआकोमो
  4. अन्टॉरेनन कौन था?  
~~(a)~~ फ्रांसीसी दार्शनिक (b) जर्मन दार्शनिक (c) कसी दार्शनिक  
 (d) ब्रिटिश दार्शनिक
  5. निम्न में से किसे मैट्रिनिख ने “हमारी सामाजिक व्यवस्था का सबसे खतरनाक दुष्मन बताया”?  
 (a) लुई फिलिप (b) क्रील कृपिस्की ~~(c) मैजिनी~~ (d) योहान गाँटफ्रीड
  6. निम्न में से किन देशों ने मिलकर नेपालियन को परालित किया था?  
 (a) ब्रिटेन, रूस, फ्रांस औस्ट्रिया (b) ब्रिटेन, रूस, प्रशा, अमेरिका  
 (c) ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, फ्रांस ~~(d) ब्रिटेन, रूस, प्रशा, औस्ट्रिया~~



7. राष्ट्रवाद की पहली आमिन्यकीत किस काँटि के साथ हुई?

(a) फ्रांसीसी क्रांति (b) रूसी क्रांति (c) यूनानी स्वतंत्रता संग्राम

(d) इनमें से कोई नहीं

8. एकीकरण के बाद जर्मनी का समाट किसे घोषित किया गया?

(a) फ्रांस के राजा निकीलस (b) प्रशा के राजा विलियम प्रथम

(c) ऑटो वान बिर्मार्क (d) काउंट कैम्पलो दे कावुर

9. 19वीं सदी के मध्य इटली कितने राज्यों में विभक्त था?

(a) 2 (b) 5 (c) 7 (d) 8

10. जर्मन वीरता का पताका किसे माजा जाता है?

(a) देवदार (b) बलूत (c) औक (d) अज्ञीक

11. क्रास्टिन्यानिया की संघी कब हुई?

(a) 1829 (b) 1830 (c) 1831 (d) 1832

12. किसकी छवि सिक्की और डाक टिकट पर अंकित की गई थी?

(a) मारिअान (b) जर्मनिया (c) भारत माता (d) इनमें से कोई नहीं

13. इंग्लैंड और के बीच एक ओफ यूनियन से यूनाइटेड किंगडम ऑफ ब्रिटेन का गठन हुआ।

(a) रूस (b) फ्रांस (c) स्कॉटलैंड (d) जर्मनी

14. जर्मनी के एकीकरण में प्रमुख भूमिका निभाने वाले बिर्मार्क

कहाँ के चौंसलर थे?

- (a) आस्ट्रिया (b) बर्लिन ~~(c) प्रश्ना~~ (d) मुमिनिख

15. गाष्ठवाद में एक निर्विचत भागीलिक द्वितीय में रहने वाली जेन्टा इनमें से किसके द्वारा जुड़ी होती है?

- (a) समान संस्कृति ~~(b)~~ समान इतिहास ~~(c)~~ माषा और लीक पृष्ठा ~~(d)~~ उपराक्त सभा

16. बुबो राजवंश का वासन किस देश में था?

- (a) कर्स ~~(b)~~ जर्मनी ~~(c)~~ फ्रांस ~~(d)~~ ब्रिटेन

17. वह विचारधारा जो स्त्री उपर्युक्त की सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक समानता पर आधारित हो उसे कहते हैं।  
~~(a) नारीवाद~~ (b) विकासवाद (c) समाजवाद (d) मीटला साभावितिकण

18. मासिल किस देश की गाष्ठीय भवित गीत है?

- (a) इटली ~~(b)~~ जर्मनी ~~(c)~~ कर्स ~~(d)~~ फ्रांस

19. "एकत्र और लौह" की नीति का अवलंबन किसने किया?

- ~~(a) मैजिनी~~ ~~(b) बिस्मार्क~~ ~~(c) हिंदुर~~ (d) काबूर

20. फ्रांस की क्रांति का अवधूत किसे कहा जाता है?

- ~~(a) फिर्दू~~ ~~(b) नेपोलियन~~ ~~(c) कर्सी~~ (d) जॉन लॉक

21. "यंग इटली" और "यंग यूरोप" नामक दो मुमिनत संगठनों

की स्थापना किसने की थी?

(a) काबूर

(b) बिसमार्क (c) शेविलटी (d) मैजिनी

22. वियना की संधि कब हुई थी?

(a) 1804

(b) 1805 (c) 1815 (d) 1830

23. "जब फ्रांस छीकता है तो बाकी यूरोप को सदी जुकाम ही जाता है" यह किसका कथन है?

(a) बिसमार्क (b) मैटरिनिख (c) नेपोलियन (d) मैजिनी

24. काबूर की राजा विक्टर एमेनुएल द्वितीय ने किस पद पर नियुक्ति किया था?

(a) सनापाति (b) राजदूत (c) गृह मंत्री (d) प्रधानमंत्री

25. 1871 के बाद यूरोप में राष्ट्रवादी लड़ाव का एक गंभीर स्रोत था-

(a) जर्मनी द्वारा (b) एशियाई द्वारा (c) बाल्कन द्वारा (d) आफ्रिका

26. कवियों और कलाकारों ने यूरोपीय सम्यता का पालना किस देश की बताया?

(a) अमेरिका (b) फ्रांस (c) रस (d) इंग्लैंड

27. जर्मनी का एकीकरण कब पूरा हुआ?

(a) 1880 (b) 1871 (c) 1861 (d) 1860

28. इटली का एकीकरण कब पूरा हुआ?

- (a) 1861 (b) 1862 (c) 1871 (d) 1870

29. जर्मन राजन महासंघ की स्थापना किसने की?

- (a) नेपोलियन (b) डिलर (c) बिस्मार्क (d) कानूर

30. चॉर्ट आंडलन किस देश में हुआ?

- (a) भारत (b) इंग्लैंड (c) फ्रांस (d) जर्मनी

31. "सामाजिक उपर्युक्त" नामक पुस्तक के लेखक कौन थे?

- (a) फ्रांसी (b) मोटस्क्यू (c) फिदरो (d) वॉल्टर

32. ज़ुलक संघ ऑलवर्गाइन की स्थापना किस की पहल पर का था?

- (a) प्रश्ना (b) फ्रांस (c) ओस्ट्रिया (d) फ्रांसी

33. बिस्मार्क जर्मनी का वांसलर कब बना?

- (a) 1848 (b) 1856 (c) 1860 (d) 1871

34. "पहले तुम मनुष्य ही, उसके बाद किसी देश के नागरिक सा अन्य कुछ" यह कथन किसका है?

- (a) मैतिनी (b) वॉल्टर (c) फ्रांसी (d) फिदरो

आत लघु उत्तराय प्रश्न

1. राष्ट्रवाद से आप क्या समझते हैं?

उत्तर → राष्ट्रवाद किसी राष्ट्र की सामूहिक पहचान हीती है जो लोगों की एक समृद्धि, इतिहास, परंपरा, भाषा, जातीयता और संस्कृति के आधार पर स्वयं की एकीकृत करती है।

2. निरंकुशवाद से आप क्या समझते हैं?

उत्तर → ऐसी शासन व्यवस्था और सरकार जिस पर किसी का कोई नियंत्रण नहीं रहता इतिहास में ऐसी गजशाही सरकार की निरंकुश सरकार कहते हैं जो अत्यंत केंद्रीकृत, सेन्य बल पर आधारित और दमनकारी सरकार होती है।

3. कल्पना दर्शी (यूटोपिया) क्या है?

उत्तर → एक ऐसे समाज की कल्पना करना, जो इतना आदर्श है कि उसका साकार हीना लगभग असंभव प्रतीत होता है।

4. फ्रेड्रिक सारथु कौन था?

उत्तर → फ्रेड्रिक सारथु एक फ्रांसीसी चित्रकार था जिसने 1848 ईस्वी में 4 चित्रों की एक शृंखला बनाई जिसमें उन्होंने अपने सपनों का संसार रचा जिसके माध्यम से उसने गणतंत्र, स्वतंत्रता, ज्ञानोदय, राष्ट्रीयता को एक आदर्श के रूप में प्रस्तुत किया।

5. राष्ट्र क्या है?

उत्तर → फ्रांसीसी दार्शनिक अन्स्टॉर रेनन के अनुसार वार्षि-  
समाज नस्लें, धर्म या क्षेत्र से बना है एक राष्ट्र  
लंबे प्रयास त्याग और निष्ठा का क्रम बिंदु होता है  
राष्ट्र एक बड़ी और व्यापक एकता होता है उसका  
अस्तित्व ऐज होने वाला जन्मत संग्रह है।

6. जन्मत संग्रह क्या है?

उत्तर → एक प्रत्यक्ष मतदान, जिसके जरिए एक क्षेत्र के सभी  
लोगों से एक प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार  
करने के लिए पूछा जाता है।

7. नृदिवाद से आप क्या समझते हैं?

उत्तर → ऐसा राजनीतिक दर्शन जो अपंपरा, स्थापित संस्थाओं  
और शिवाजी पर जोर देता है और तेज बदलाव की जगह  
क्रमिक और धीरे-धीरे विकास की प्राथमिकता देता है।

8. उदारवाद से आप क्या समझते हैं?

उत्तर → उदारवाद वाव्ड लात्रिन भाषा के मूल liber पर आधारित  
है जिसका अर्थ है 'आजाद'। नए मध्य वर्गों के लिए  
उदारवाद का मतलब था - व्यक्ति के लिए आजादी  
और कानून के समान सबकी बराबरी। उदारवाद एक  
ऐसी सरकार के पक्ष में था जो सबकी सहमति  
पर बना ही। उदारवाद, निरंकृत शासक और पादरी  
वर्ग के विशेष अधिकारों की समाप्ति, संविधान तथा  
संसदीय प्रतिनिधि सरकार का पक्षधर था।

- 9) 1815 की विधान संघि के क्या उद्देश्य थे ?  
उत्तर → 1815 की विधान संघि के निम्नलिखित उद्देश्य थे
1. उन कई सारे बदलाव की खल्म करना जो नेपालियाँ युद्ध के दौरान हुए थे।
  2. बुर्भी वंश की पुनः सत्ता में बहाल करना।
  3. फ्रांस की सीमाओं पर कई राज्य कायम करना ताकि भविष्य में फ्रांस विस्तार ना कर सके।

10. जॉलवेराइन क्या है ?  
उत्तर → जॉलवेराइन प्रश्ना की पहल पूर 1834 में स्थापित एक व्यापारी शुल्क संघ था जिसमें लेगभग सभी जर्मन राज्य शामिल हुए। जॉलवेराइन का लक्ष्य जर्मन लोगों की आर्थिक रूप में एक राष्ट्रीयता में बांध देना था इस संघ ने बहुत से शुल्क अवरीधों को समाप्त कर दिया।
11. मैजिनी कौन था ?  
उत्तर → मैजिनी इटली का एक क्रांतिकारी राष्ट्रवादी लेखित था जिसका जन्म 22 जून 1807 में जैनीवा में हुआ था वह कार्बोनारी नामक गुप्त क्रांतिकारी संगठन का सदस्य था तथा 1841 में उसने यंग इटली और यंग ब्रोप नामकी भूमिगत संगठनों की स्थापना की थी।

12. मैट्रिनिख युग क्या था ?  
उत्तर → मैट्रिनिख ऑस्ट्रिया का चांसलर था जो घीर प्रतिक्रियावादी

था वह अपने राज्य में किसी भी प्रकार के सुधार के पक्ष में नहीं था। उसकी नीति थी कि लासन करो लैकिन कोई परिवर्तन नहीं होने दो। 1815 से 1848 तक कानून काल शुरूप के इतिहास में मैट्रिनिख युग के नाम से जाना जाता है।

13. जर्मनी के एकीकरण में क्या बाधाएं थीं?

उत्तर → जर्मनी के एकीकरण में अनेक बाधाएं थीं। 19वीं शताब्दी में जर्मनी 300 से ज्यादा टुकड़ों में बटों हुआ था जिसे एकीकृत करना एक बड़ी समस्या थी। सभी छोटे-बड़े समाट अपने स्वार्थवद्वा अपना गहरा छोड़ने की तेजार नहीं थी दूसरी ओर जर्मनी आस्ट्रिया के अधीन होना या प्रश्न के अधीन यह भी एक बहुत बड़ी समस्या थी।

14. विधान सम्मेलन की मैजबानी किसने की थी?

उत्तर → सन् 1815 में रूस ब्रिटेन प्रश्ना और आस्ट्रिया जैसे शारीरिक शक्तियों ने मिलकर नेपोलियन को वाटर लू के ऊद्धु में हराया था तब इन देशों के प्रतिनिधि शुरूप के लिए एक समझौता तेजार करने के लिए विधान में मिले और इस सम्मेलन की मैजबानी आस्ट्रिया के चांसलर मैट्रिनिख ने की।

15. 'रूपक' से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर → जब किसी अमूर्त विचार जैसे (स्वतंत्रता, मुक्ति, ईश्वरी,

लालच आदि) की किसी व्यक्ति या किसी चीज़ द्वारा  
इंगित किया जाता है तो उसे रूपक कहा जाता है।

16. नृजातीय से आप क्या समझते हैं?

उत्तर → एक साझा नस्ली जनजातीय या सांस्कृतिक उद्गम  
अथवा पृष्ठभूमि जिसे कोई समुदाय अपनी पहचान  
मानता है।

17. नेपोलियन बोनापार्ट कौन था?

उत्तर → नेपोलियन बोनापार्ट फ्रांस का एक महान सैनानाथक  
या जिसके नेतृत्व में फ्रांस ने अनेक विजय प्राप्त  
की। बाद में उसे 1804 में फ्रांस का सम्राट घोषित  
किया गया। उसके द्वारा उदारवादी शासन व्यवस्था  
के लिए बनाई गई आचार सहिता प्रसिद्ध है।

### लघु उत्तरीय प्रश्न

1. 1848 ईस्वी के फ्रांसीसी क्रांति के क्या कारण थे?

उत्तर → सन् 1848 ईस्वी के फ्रांसीसी क्रांति के प्रमुख कारण  
निम्नलिखित थे-

1. मध्यम वर्ग के शासन का प्रभाव

2. राजनीतिक दलों में संगठन का अभाव

3. समाजवाद का प्रसार

4. लुई फिलिप की नीति

इस क्रांति का सबसे प्रमुख कारण लुई फिलिप की नीति और जनता में उसके प्रति असंतोष था। वह जनता की तत्कालीन समस्याओं को सुलझाने में असमर्थ था।

लुई फिलिप के निरंकुशवाद से वहाँ मध्यवर्ग का प्रभाव बढ़ता जा रहा था। उदारवादी मध्यवर्ग के लोगों ने संविधानवाद की मांग को राष्ट्रीय एकीकरण की मांग से जोड़ दिया।

2. इटली और जर्मनी के एकीकरण में आ॑स्ट्रिया की क्या भूमिका थी?

उत्तर → इटली और जर्मनी के एकीकरण में आ॑स्ट्रिया की काफी महत्वपूर्ण भूमिका थी। इटली और जर्मनी के एकीकरण में सबसे बड़ी बाधा आ॑स्ट्रिया ही था। आ॑स्ट्रिया कभी नहीं चाहता था कि इटली और जर्मनी का एकीकरण सम्भव हो दूसरी ओर एकीकरण के पूर्व जर्मनी 1500 से ज्यादा माझों में बंदा हुआ था, जिसके 2 सबसे बड़े माझे आ॑स्ट्रिया और प्रशा थे, आ॑स्ट्रिया चाहता था कि जर्मनी उसके अधीन रहे जबकि प्रशा जर्मनी की अपना करना चाहता था वेंयोंकि जर्मनी की अधिकतर जनता प्रशा के अधीन होना चाहती थी जिससे स्पष्ट है कि इटली और जर्मनी के एकीकरण में सबसे बड़ी बाधा आ॑स्ट्रिया थी।

3. शूरीप में राष्ट्रवाद की फैलाने में नेपोलियन बीजापाट किस

तरह सहायक हुआ?

उत्तर → यूरोप में राष्ट्रीयता की भावना के विकास में फ्रांस की गण्यक्रांति के पश्चात नेपोलियन के आक्रमणों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। फ्रांसीसी क्रांति ने राजनीति की अभिजात्य वर्ग या परिवेश से बाहर कर उसे अखबारों सड़कों और सर्वसाधारण की वस्तु बना दिया। यूरोप के कई राज्यों में नेपोलियन के अभियानों द्वारा नवयुग का संदेश पहुँचा नेपोलियन ने जर्मनी और इटली के राज्यों को भौगोलिक नाम की परिधि से बाहर कर उसे राजनीति और वास्तविक रूप रैखा प्रदान की। जिससे इटली और जर्मनी के एकीकरण का मार्ग प्रवर्षत हुआ दूसरी तरफ नेपोलियन की सुधारवादी नीतियों के कारण फ्रांसीसी प्रमुता और आधिपत्य के विरुद्ध यूरोप में देशभक्ति की भावना प्रबल हुई।

4. गैरिबोल्डी के कार्यों की वची करें।

उत्तर → गैरिबोल्डी इटली के महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक था उनका संबंध एक ऐसे परिवार से था जो तटीय व्यापार में संलग्न था और स्वयं व्यापारिक नौसेना में एक नाविक था। 1833 में वह यह इटली आंदोलन से जुड़ा और 1834 में पीडमोष्ट के गणतंत्र विरोध में उस ने भाग लिया। गैरिबोल्डी मैजिनी के विचारों का समर्थक था तथा इटली के एकीकरण के लिए 'लाल कुती' के नाम से एक सेना का गठन मी किया। 1860 में गैरिबोल्डी ने दीक्षण इटली की तरफ हजारों लोगों का अभियान

का नेतृत्व किया, इस अभियान में नए स्वयंसेवक जुड़ते चले गए और उनकी संख्या लगभग 30,000 तक पहुँच गई।

### 5. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखें।

(क) ज्युसेप मैजिनी - ज्युसेप मैजिनी इटली का महान क्रांतिकारी था उसका जन्म 1807 में जिनेवा में हुआ था और वह कार्बोनारी के गुप्त संगठन का सदस्य भी था 24 साल की आवस्था में लिगुरिया में क्रांति के लिए उसे बहिष्कृत कर दिया तथा तेपश्चात उसने दो और भूमिगत संगठनों की स्थापना की पहला मार्सी में "यंग इटली" "और दूसरा बर्न में "यंग इतरेप" जिसके सदस्य समान विचारों की रखने वाले थे। मैजिनी का विश्वास था कि ईतरा की मर्जी के अनुसार राष्ट्र ही मनुष्यों की प्राकृतिक इकाई थी वह इटली के प्रदेशों की एकत्रित कर गणतंत्र की स्थापना करना चाहता था। वह गणतंत्र का घौर विरोध करता था, इसलिए मेट्रोनिउ ने उसे "हमारी सामाजिक व्यवस्था का सबसे खतरनाक दुष्मन बताया।"

(स) काउंट कैमिलो दे कावूर - काउंट कैमिलो दे कावूर इटली के साड़ीनीया पीडमार्ट का प्रमुख मंत्री था उसने इटली के प्रदेशों को एकीकृत करने के लिए आंदोलन का नेतृत्व किया। वह ना तो क्रांतिकारी था न ही जनतंत्र में विश्वास रखता था वह इतालवी की अपेक्षा क्रेंच भाषा को अधिक बेहतर ढंग से बोलता था। कांस से उसके गढ़े क्रटनीतिक संबंध

थे जिनकी सहायता से 1859 में उसने ऑस्ट्रिया की पराजित किया था। इस प्रकार काबुर के प्रयासों के परिणाम स्वरूप 1861 में इटली का एकीकरण हुआ और साइनिया के शासक विक्टर एमेनुएल द्वितीय को स्कीकृत इटली का शासक घोषित किया गया।

(ग) यूनानी स्वतंत्रता युद्ध - 15वीं सदी से यूनान ऑटोमन साम्राज्य का हिस्सा था। यूरोप में क्रांतिकारी राष्ट्रवाद की प्रगति से यूनानियों का आजादी के लिए संघर्ष 1821 से आरंभ हो गया। यूनान में बाष्पीय वादियों की निर्वासन में 18 रुहे यूनानियों के साथ परिचुम्भी यूरोप के अन्य लोगों का समर्थन मिला, जो प्राचीन यूनानी संस्कृति के प्रति सहानुभूति रखते थे। कवियों और कलाकारों ने यूनान को यूरोपाय सभ्यता का पालना बताकर प्रशंसा की और मुस्लिम साम्राज्य के विरुद्ध यूनान के संघर्ष के लिए जनमत जुटाया। अंग्रेज कवि लाई वायरन के धन इकट्ठा किया और बाद में युद्ध में लड़ने गए जेहौं 1824 में जुखाम से उनकी मृत्यु हो गई। अंततः 1832 की कस्तुरतुनिया की साधा ने यूनान को एक स्वतंत्र राष्ट्र की माल्यता दी।

(घ) राष्ट्रवादी संघों में मीहिलाओं की भूमिका पर उत्तर → राष्ट्रवादी संघों में सारी दुनिया में मीहिलाओं ने

बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। राष्ट्रवादी संघर्ष में यद्यपि महिलाओं ने बढ़-चढ़कर मार्ग लिया फिर भी उदारवादी आंदोलन के अंदर महिलाओं को राजनीतिक आधिकार प्रदान करने का मुद्दा विवादास्पद था।

महिलाओं ने अपने राजनीतिक संगठन स्थापित किए, अखबार शुरू किए और राजनीतिक बैठकों और प्रदर्शनों में शिरकत की, परिणाम यह हुआ कि महिला आधिकारों के प्रति उदारवादियों तथा वासकों के विचारों में परिवर्तन हुआ तथा महिलाओं सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक आधिकारों का मार्ग प्रशस्त हुआ।

(3) फ्रैंकफर्ट संसद पर टिप्पणी लिखें।

उत्तर → 1. यूरोप के राष्ट्रों में स्वतंत्रता हेतु 19वीं सदी के मध्य में संघर्ष तेजी से शुरू हो गया इसका परिणाम यह हुआ कि जर्मनी में फ्रैंकफर्ट बाहर में बड़ी संख्या में मिलकर एक सर्व जर्मन नेशनल असेंबली के पक्ष में मतदान का फैसला किया।

2. 18 मई 1848 की 8 जून निर्वाचित प्रतिनिधियों ने एक सजे-धूमे जुलूस में जाकर फ्रैंकफर्ट संसद में अपना स्थान ग्रहण किया यह संसद सेंट पॉल चर्च में आयोजित हुई।

3. एक जर्मन राष्ट्र के लिए एक संविधान का प्रारूप तैयार किया इस राज्य की अध्यक्षता एक ऐसे

राज्य की सौंपी गई जिसे संसद के अधीन रहना था।  
4. प्रशा के राजा फ्रेडरिक विल्हेम चतुर्थ को ताज पहनाने की पेशकश की तो उसने अस्वीकृत कर दिया और उन गुजाओं का समर्थन किया जो निर्वाचित समा के विरोधी थे।

5. संसद में मध्यवर्ग का प्रभाव बढ़ता ही चला गया उन्होंने मजदूरों और कारीगरों की मांग का विरोध किया, जिससे वे समर्थन खो दे दे। अंतः सैनिकों को बुलाकर असंबली मांग कर दी गई।

6. मारिआन और जर्मनिया कोने थे? इस तरह उन्हें विचार किया गया उसका क्या महत्व था?  
उत्तर → फ्रांसीसी क्रांति के दौरान कलाकारों ने स्वतंत्रता, न्याय और जणतंत्र जैसे विचारों की व्यक्ति करने के लिए नारी रूपकी का प्रयोग किया।  
फ्रांस में उसे लोकप्रिय ईसाई नाम मारिआन दिया गया जिसे स्वतंत्रता और जणतंत्र के प्रतीक लाल टोपी, तिरंगा और कलर्गी के साथ दर्शाया गया और उसकी प्रतिमाएँ सार्वजनिक चौकों पर लगाई गई, मारिआन की छवि की सिक्के और डाक टिकटो पर अंकित की गई ताकि लोगों की एकता के राष्ट्रीय प्रतीक की याद आती रहे।  
इसी तरह जर्मनिया जर्मन राष्ट्र का सपक बन गई जर्मनिया बलूत वृक्ष के पत्तों का मुकुट पहनती है, क्योंकि जर्मन बलूत वीरता का प्रतीक है।

7. अपने शासन वाले हीतों में शासन व्यवस्था की ज्यादा कुशल बनाने के लिए नेपोलियन ने क्या बदलाव किए?

उत्तर→ अपने शासन वाले हीतों में शासन व्यवस्था की ज्यादा कुशल बनाने के लिए नेपोलियन ने निम्नालिखित प्रमुख सुधार किए-

(क) जन्म पर आधारित विशेषाधिकार समाप्त कर दिए गए और कानून के समझ सबकी बराबरी के नियम लागू किए।

(ख) संपत्ति के अधिकार को सुरक्षित बनाया।

(ग) प्रजासानिक विभाजनों को सरल बनाया, सामंती व्यवस्था को खत्म किया और किसानों की मूदादात और जागीरदार शुल्क से मुक्ति दिलाई।

(घ) यातायात और संचार व्यवस्था में सुधार किया गया।

(इ) शहरों में कारिगरों के मणि संघी के विभिन्न नियंत्रणों को समाप्त कर दिया गया।

(च) किसानों, मजदुरों, कारिगरों और उद्योगपतियों की स्वतंत्रता प्रदान की गई।

(छ) मानक नापतील के एक समान पैमाने चलाई गई और एक राष्ट्रीय मुद्रा चलाई।

8. बाल्कन प्रदेशों में राष्ट्रवादी तनाव क्यों पनपा?

उत्तर→ (अ) बाल्कन प्रदेशों में अनेक जातिय समूह निवास करते थे।

2. बाल्कन क्षेत्र का एक बुड़ा हिस्सा ऑटोमन साम्राज्य के अधीन था जो अपने पतन के क्षेत्र पर था।

3. स्लाव बाल्कन के जातीय समूह उदारवादी और राष्ट्रवादी विचारों से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके। अतः ये सभी जातीय समूह राष्ट्र-राज्य की माँग करने लगे।

4. बाल्कन राज्य एक दुसरे से मारी ईर्ष्या करते थे और हर एक राज्य अपने लिए ज्यादा से ज्यादा इलाका हथियाना चाहता था।

5. रूस, जर्मनी, इंग्लैंड और्स्ट्री-हंगरी की हर ताकूत बाल्कन पर अन्य शक्तियों की पकड़ की कमज़ोरी के क्षेत्र में अपने प्रभाव की बढ़ाना चाहती थी।

अतः इन सभी कारणों से बाल्कन में राष्ट्रवादी तनाव पैदा।

### क्षेत्रीय उत्तरीय प्रश्न

1. जर्मनी एकीकृण की प्रक्रिया का संक्षेप में वर्णन करें।

उत्तर → जर्मनी एकीकृण की प्रक्रिया-

(क) राष्ट्रवादी भावनाएँ मध्यवर्गीय जर्मन लोगों में काफी व्याप्त थीं और उन्होंने 1848 में जर्मन महासंघ के विभिन्न इलाकों को जोड़कर एक निर्वाचित संसद

द्वारा वासित राष्ट्र - राज्य बनाने का प्रयास  
किया था।

(ख) लेकिन राष्ट्र निर्माण की यह उदाहरणीय पहल  
को राजवाहाणी और फौज की तकत ने मिलकर दबा  
दी। उनका प्रश्न के बड़े भू-स्वामियों ने भी  
समर्थन किया।

(ग) तत्पृथ्वीत प्रश्न के राष्ट्रीय एकीकरण के लिए  
प्रश्न के प्रमुख मंत्री बिस्मार्क ने आंदोलन का  
नीतृत्व किया।

(घ) आठी वाँ बिस्मार्क ने इस आंदोलन में प्रश्न  
की सेना और जौकरवाही की मदद ली।

(इ) 7 वर्ष के दौरान ऑस्ट्रिया, डेनमार्क और फ्रांस  
से उत्तर युद्धी में प्रश्न की जीत हुई और एकीकरण  
की प्रक्रिया पूरी हुई।

(च) जनवरी 1871 में वायसराय में हुए एक  
समारोह में प्रश्न के राजा विलियम प्रथम की  
जर्मनी का समाट घोषित किया गया।

2. इटली के एकीकरण की प्रक्रिया का संलेप में वर्णन  
करें। अथवा इटली के एकीकरण में शासक विक्टर  
एमेनुएल, मंत्री प्रमुख काबूर और जैरीबाल्डी की  
भूमिका थी?

उत्तर → इटली एकीकरण में विक्टर एमेनुएल द्वितीय  
वित्त मंत्री प्रमुख काबूर और जैरीबाल्डी की  
भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण थी क्योंकि इन्होंने के

प्रयासों से इटली का एकीकरण संभव ही पाया

## इटली एकीकरण की प्रक्रिया -

(१) इटली अनेक वंशानुगत राज्य तथा बहुप्राष्टीय हस्तबंध सम्भाल्य में बिखरा हुआ था। १९वीं सदी के मध्य इटली → राज्यों में बटा हुआ था।

(२) युद्ध के जीरण इतालवी बाल्यों को जोड़ने की जिम्मेदारी साइनीया पीडमॉण्ट के शासन विक्टर इमैनुएल द्वितीय की सौंप दी गई।

(३) शासक विक्टर इमैनुएल द्वितीय ने यह जिम्मेदारी साइनीया पीडमॉण्ट के प्रमुख मंत्री काबूर की दी दी। मंत्री प्रमुख काबूर ने इटली के प्रदेशों की एकीकृत करने वाले आंदोलन का नेतृत्व किया।

(४) काबूर ने फ्रांस से साइनीया पीडमॉण्ट की एक चतुर कूटनीति संधि की ओर फ्रांस की मदद से १८५९ में ऑस्ट्रेलियाई बलों को छा पाने में कामयाब हुआ।

(५) गैबीबाल्डी के नेतृत्व में भारी संख्या में सशास्त्र स्वयंसेवकों ने इस युद्ध में हिस्सा लिया।

1860 में वे दक्षिण इटली और दो सीसलियों के राज्य में प्रवेश कर गए और स्पेनी शासकों की हटाने के लिए स्थानीय किसानों का समर्थन पाने में सफल रहे।

(घ) इस प्रकार इटली का एकीकृण पूरा हो गया और 1861 में विक्टर एम्पेनुरल द्वितीय की एकीकृत इटली का राजा घोषित किया गया।

उत्तर → 3. राष्ट्रवाद के विकास में भाषा और लोक परंपराओं के महत्व की चर्चा करें।

उत्तर → राष्ट्रवाद का विकास केवल युद्ध और क्षेत्रीय विस्तार से नहीं हुआ, बल्कि राष्ट्र के विचार के निर्माण में संकृति ने एक अहम भूमिका निभाई जो निम्नवत है -

(क) कूला - काव्य, कहानियाँ, किसी और संगीत ने राष्ट्रवादी भावनाओं को गढ़ने और व्यक्त करने में सहयोग दिया।

(ख) कमानी कलाकारों और कवियों ने तर्क - वितर्क और विज्ञान के महिमामंडन और आलीचना की और उसके जगह भावनाओं, अंतर्दृष्टि और राष्ट्रवादी भावनाओं पर जोर दिया।

(ग) एक साज्ञा - संस्कृति और एक साज्ञा - समूहिक विनासत की राष्ट्र का आधार बनाया गया।

(घ) लोकगीतों, जन-काव्य और लोक नृत्य के माध्यम से लोक - संस्कृति के इन स्वरूपों को एकत्र करना राष्ट्र के निर्माण में बहुत आवश्यक था।

(ङ) स्थानीय बोलियों पर बल और स्थानीय भीक साहित्य की एकत्र करने का उद्देश्य आधुनिक राष्ट्रीय संदर्भ को ज्यादा लोगों तक पहुँचाना था।

(घ) भाषा ने मी राष्ट्रीय भावनाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पौलिश भाषा रूसी प्रभुत्व के विरुद्ध संघर्ष के प्रतीक के रूप में देखी जाने लगी।

4. फ्रांसीसी लोगों की बीच सामूहिक पहचान का माव पैदा करने के लिए फ्रांसीसी क्रांतिकारियों ने क्या कदम उठाए?

उत्तर → बाष्ट्रवाद की पहली स्पष्ट अभियानित 1789 में फ्रांसीसी क्रांति की साथ हुई बीघ ही फ्रांसीसी लोगों ने सत्ता अपने हाथों में ले ली, तत्पश्चात फ्रांसीसी क्रांतिकारियों ने ऐसे अनेक कदम उठाए जिससे फ्रांसीसी लोगों में एक सामूहिक पहचान की भावना पैदा हो सकती थी जो निम्नलिखित है-

(क) सर्वप्रथम पितृभूमि और नागरिक जैसे विचारों  
ने एक संयुक्त समुदाय के विचार पर बल दिया।

(ख) एक नया कांसीसी झाँड़ लिंगा चुना गया  
जिसने पहले के राष्ट्रीय ध्वज की जगह ले ली।

(ग) इस्टेट जनरल का चुनाव सर्किय नागरिकों के  
समृद्ध द्वारा किया जाना लगा जिसका नाम  
बदलकर नेशनल ऑसेबला कर दिया गया।

(घ) बाहु के नाम पर नई स्तुतियाँ रची गई, शपथ-  
भी गई बहादूर का गुणगान हुआ।

(इ) एक कंद्रीय प्रशासनिक व्यवस्था लागू की गई  
जिसमें सभी नागरिकों के लिए समान कानून बनाए।

(ए) अंतर्रक्त आयात - निर्धारित शुल्क समाप्त कर दिए  
गए और भार तथा नाफने की एक समान  
व्यवस्था लागू की गई।

(छ) क्षेत्रीय बोलियों की हटोत्साहित की गया  
और पीरस में बोली जाने वाली फ़ैंच को  
राष्ट्रीय भाषा के रूप में चुना गया।

5) उदारवादियों की 1848 की क्रांति का क्या अर्थ  
लगाया जाता है? उदारवादियों ने किन बाजनीतिक  
सामाजिक एवं आर्थिक विचारों को बढ़ावा दिया?

उत्तर → 1848 में जब अनेक यूरोपीय देशों में गरीबी  
बेबोजगारी और भुखमरी से ग्रस्त किसान, मजदूर, लिपि  
विदीह का था तब उसके समानांतर पढ़-लिपि  
मध्यवर्ग उनकी भी एक क्रांति ही थी।  
उदारवादियों की क्रांति का मतलब आ कि वे  
स्वतंत्र राष्ट्र - राज्य की स्थापना करना - पोहोचे थे  
जहाँ क्रांति की स्वतंत्रता और सभी लोगों के लिए  
समान कानून और स्वतंत्रता हो।

### बाजनीतिक विचार -

(क) उदारवादियों ने राष्ट्रीय विचार के निर्माण की  
मांगों को आगे बढ़ाया। यह राष्ट्र - राज्य,  
संविधान प्रेस की स्वतंत्रता और संगठन बनाने  
की आजादी जैसे संसदीय सिद्धांतों पर आधारित  
था।

(ख) निरंकुश शासन और पादली वर्ग के निशेष  
आधिकारों की समाप्ति।

### सामाजिक विचार -

(क) सभी नागरिकों की सामाजिक समानता प्रदान करना।

(ख) महिलाओं की अवयत्का का दर्जा देते हुए उन्हें पिता और पतियों के अधीन कर दिया था। 19 वीं सदी में यूरोप में उन्हें मताधिकार प्राप्त नहीं था, जिनके पास निजी संपत्ति नहीं थी।

### आर्थिक विचार -

(क) उदारवादी बाजारों के मुक्त के पश्चात थे।

(ख) उदारवादी चीजों तथा पुंजी के आवागमन पर राज्य द्वारा लगाए गए नियंत्रणों की खलम करने के पक्ष में थे।

6. ब्रिटेन में राष्ट्रवाद का इतिहास वीष युरोप की तुलना में किस प्रकार भिन्न था?

उत्तर - ब्रिटेन में राष्ट्रवाद का इतिहास वीष युरोप की तुलना में निम्न प्रकार से भिन्न था -

(क) 18 वीं शताब्दी के पहले ब्रिटानी राष्ट्र नहीं था। ब्रिटेन में राष्ट्रवाद का निर्माण एक लंबी चलने वाली प्रक्रिया के फल स्वरूप हुआ था, ब्रिटिश द्वीप समूह पर एक साझी नस्ल के अंग्रेज,

स्कॉट, वेट्श और आयरिश लोग रहते थे इन सभी जातीय समूहों की अपनी संस्कृतिक और राजनीतिक परंपराएँ थीं।

(ख) लेकिन जैसे-जैसे अंग्रेज राष्ट्र की धन-दौलत, शक्ति और सत्ता में वाहिद हुई वह दीप समूह के अन्य राष्ट्रों पर अपना प्रभुत्व बढ़ाने में कामयाब हुआ।

(ग) एक लंबे टकराव और संघर्ष के बाद अंग्रेज संसद ने 1688 में राजतंत्र से लाकर हीन ली थी इस संसद के द्वारा एक राष्ट्रीय राज्य का निर्माण हुआ जिसके केंद्र में इंडिया था।

(घ) इंडिया और स्कॉटलैंड के मध्य एक ऑफ यूनियन 1707 से यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन का गठन हुआ इससे इंडिया का स्कॉटलैंड पर अपना प्रभुत्व व्यवहारिक रूप से स्थापित हो गया।

(ङ) 1801 में आयरलैंड की बलपूर्वक यूनाइटेड किंगडम में मिला लिया गया एक नए ब्रितानी राष्ट्र का निर्माण किया गया जिस पर हावी अंग्रेज संस्कृति का प्रचार प्रसार किया गया।

(च) नए ब्रिटेन के प्रतीक चिन्हों, ब्रितानी झंडा,

यूनियन बैंक और राष्ट्रीय गान (गांडी से  
ओवर नोबेल किंग) को खुब बढ़ावा दिया  
गया और पुकारे राष्ट्र इस संघ में केवल  
सहयोगी के रूप में ही रहे।

© Apna Study Apna Group Prepared by Amit Sir  
Do not copy, resell or upload without permission